है । अप्रैल, 1992 से अक्तूबर, 1992 के दौरान देश के ताप विद्युत केन्द्रों का संयंत्र भार गुणक 53.9% रहा जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान यह 52.3% था। न्यूक्लीयर विद्युत केन्द्रों का कार्य-निष्पादन भी संतोषजनक रहा है क्योंकि अप्रैल, 1992–अक्तूबर, 1992 के दौरान उनका संयंत्र भार गुणक 44.4% रहा है जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान यह 39.3% था। जल–विद्युत उत्पादन, जलाशय में जल की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

(ग) अपेक्षित सूचना अनुपत्र में दी गई है ।

[देखिए परिशिष्ट 165, अनुपत्र संख्या 21 और 22]

चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम छमाही में उत्पादित विद्युत

1340. **श्री राम जेठमलानी :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम छमाही में देश का विद्युत उत्पादन निर्धारित लक्ष्य से कम रहा है;

(ख) यदि हां, तो निर्धारित लक्ष्य कितना था और वास्तव में विद्युत की कितनी प्रमात्रा का उत्पादन किया जा सका;

(ग) क्या सरकार ने चालू वर्ष की शेष अवधि में इस लक्ष्य और वास्तविक उत्पादन के अन्तर को पूरा करने के लिए विशेष उपाय करने का निर्णय लिया है;

(घ) यदि हां, तो सरकार ने अब तक इस सम्बन्ध में क्या अतिरिक्त कदम उठाए हैं; और

(ङ) निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप विद्युत का उत्पादन न कर सकने के क्या कारण हैं?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख) अप्रैल–सितम्बर, 1992 की अवधि के दौरान 147895 मिलियन यूनिट ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य की तुलना में 144298 मिलियन यूनिट ऊर्जा का उत्पादन हुआ जोकि 2.4% कमी का द्योतक है।

(ग) और (घ) अधिष्ठापित क्षमता का इष्टतम समुपयोजन किए जाने हेतु विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं जिनमें ये शामिल हैं : (1) पुरानी यूनिटों का नवीनीकरण तथा आधुनिकीकरण करना, (2) संयंत्र सुधार कार्यक्रम चलाए जाने के लिए बिजली बोर्डों को सहायता प्रदान करना, (3) अपेक्षित गुणवत्ता वाले कोयले की अपेक्षित मात्रा में सप्लाई करना, (4) प्रचालन तथा अनुरक्षण से सम्बंधित कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान करना (5) और पारेषण तथा वितरण प्रणालियों को सशक्त बनाना ।

(ङ) देश में विद्युत उत्पादन में कमी आने का प्रमुख कारण ताप विद्युत केन्द्रों को कोयले की कम सप्लाई किया जाना है।

देश में विद्युत की मांग और आपूर्ति

1341. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में विद्युत की मांग में सातवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान 9.9 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि हुई;

(ख) यदि नहीं, तो इससे सम्बन्धित तथ्य क्या हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस पंचवर्षीय योजना के दौरान घरेलू विकास दर में वृद्धि का निर्धारित लक्ष्य 5 प्रतिशत वार्षिक था;

(घ) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान घरेलू वृद्धि दर का लक्ष्य 5.6 प्रति वार्षिक निर्धारित किया गया है;

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार ने देश में विद्युत की मांग में इस पंचवर्षीय योजना के दौरान वृद्धि का कोई अनुमान लगाया है;

(च) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है; और

(छ) इस अनुमान के अनुसार देश में विद्युत उत्पादन क्षमता के सम्बन्ध में सरकारी प्रतिक्रिया क्या है ?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख) 7वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान विद्युत ऊर्जा की वास्तविक मांग में 9.5% वर्ष की संयुक्त वृद्धि हुई।

(ग) जी, हां ।

(घ) जी, हां ।

(ङ) और (च) योजना आयोग द्वारा प्रकाशित किए गए आठवीं योजना (1992–1997) के दस्तावेजों के अनुसार 1996–97 (आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंतिम वर्ष में) तक देश में बिजली की मांग 335.84 बिलियन यूनिट होगी ।

(छ) आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992-97) के अनुसार, योजना के दौरान देश में अधिष्ठापित विद्युत उत्पादन क्षमता में 30537.7 मिलियन यूनिट की वृद्धि किए जाने की परिकल्पना की गई है। इस क्षमता अभिवृद्धि तथा पारेषण एवं वितरण संबंधी हानियों में कमी होने से संयंत्र भार गुणांक में वृद्धि होगी तथा निजी क्षेत्र में कुछ अतिरिक्त क्षमता वृद्धि होगी जिससे पंचवर्षीय योजना के दौरान बढ़ी हुई बिजली की मांग को पूरा किया जा सकेगा।

Setting up of transmission line for Anpara-B Thermal Power Project

1342. SHRI SANGH PRIYA GAUTAM : Will the Minister of POWER be pleased to state :

(a) whether there is a proposal under Government's consideration to set up a transmission project to evacuate power generated in Anpara-B Thermal Power Project which is expected to be commissioned in 1993-94;

(b) whether it is a fact that Government of Uttar Pradesh referred the documents, regarding consultants and consultancy bid to his Ministry in July, 1989 but the approval of the same has been delayed by his Ministry and hence the plan for construction of this transmission project has been delayed; and

(c) if so, by when Government would accord approval so as to start the work at the earliest on the transmission project ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI KALP NATH RAI) : (a) to (c) The transmission system for evacuation of Power from Anpara 'B' Thermal Power Project was techno-economically cleared by Central Electricity Authority (CEA) in March, 1988 as a part of Seventh Plan Transmission Works of Uttar Pradesh State Electricity Board (UPSEB). The project was posed by UPSEB for OECF assistance. The issues relating to appointment of consultants have been under discussion with OECF and could be sorted out this year only. The technical bids have been opened by UPSEB in September, 1992 and the tender documents and the evaluation report have been sent by UPSEB to the Ministry of Power/CEA in mid-Nov«m-ber, 1992.